



# RMO-40

( मोठ किस्म )

बीज दर :- 4-5 किग्रा प्रति एकड़, बारानी और बरसात पर बोये जाने वाले क्षेत्र में बीज की मात्रा 6-7 किग्रा प्रति एकड़।

बुवाई का समय :- 15 जून से 30 जुलाई तक ( पछेती बिजाई होने पर पैदावार में गिरावट हो सकती है। )

बुवाई का तरीका :- कतार से कतार की दूरी 30-45 सेमी. एवं पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी. रखें।

भूमि की तैयारी :- भूमि को 2-3 बार गहरी जुताई कर पाटा लगाकर समतल कर लें।

भूमि प्रकार :- लवणीय व क्षारीय न हो। चिकनी मिट्टी अधिक न हो।

उर्वरक प्रबंधन :- नत्रजन 5-6 किग्रा प्रति एकड़

फास्फोरस 10-15 किग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार :- 1.5-2 ग्राम बाविस्टिन ( कार्बंडाजिम 50% wp ) प्रति किलो बीज दर से।

खरपतवार नियंत्रण :- डूमेजेथापायर 10% SL 40-50 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर का छिड़काव ( बिजाई के 15-20 दिन पश्चात )

कीट एवं रोग प्रबंधन :-

दीमक :- क्लोरपाइरीफोस 20% EC 2-3 एमएल प्रति लीटर पानी की दर से बिजाई से पूर्व छिड़काव करें।

रस चूसक कीट ( एफिड/जैसिड ) :- 2.5-3 एमएल रोगोर प्रति लीटर पानी दर से छिड़काव करें।

सिंचाई :- 1-2 सिंचाई ( सिंचित क्षेत्रों में ), असिंचित क्षेत्र में वर्षा पर निर्भर।

कटाई :- पकाव 60 से 70 दिन में हो जाता है 85% फलियां पकने पर कटाई शुरू कर दें। कटी हुई फसल को खेत में कुछ दिनों तक शुष्क होने के लिए छोड़ दें।

चेतावनी :- उपरोक्त सुझाई गई विधियां कम्पनी के अनुसंधान केंद्रों पर लिए गए परीक्षणों पर आधारित हैं इसमें स्थान व पर्यावरण के अनुसार बदलाव संभव है। अच्छी फसल की प्राप्ति के सम्बंध में मार्गदर्शन के लिए निकटतम राज्य कृषि विश्वविद्यालय / कृषि विज्ञान केंद्र / निकटवर्ती कृषि अधिकारी से सलाह लें।

निर्माता एवं विपणनकर्ता :

## जय शंकर सीड्स प्रा. लि.

E-176, फेज फर्स्ट, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया  
श्रीगंगानगर - 335002 ( राजस्थान )



# RMO-40

( मोंठ की किस्म )

बीज दर :- 4-5 किलो पृथी ऐकड़ अउते बरानी खेततं विंच बीज की मात्रत 6-7 किलो पृथी ऐकड़ है।

बिजाई का सतं :- 15 जून ते 30 जूलाई (नेकर बिजाई देर नाल कीती गडी तं झत पृथावित तेवेगा गिरावट आ सकदी है।)

बिजाई का तरीका :- कतार ते कतार का फासला 30-45 सैतीमीटर अते पंदे ते पंदे का फासला इसतूं 10-15 सैतीमीटर रंधे।

जमीन की तियाारी :- जमीन तूं 2-3 वार डूंथा वारो अते सुगारो की वरते करके इसतूं पंधर करे।

मिंटी की किस्म खारी नही हेठी चाहीदी। सिआदा चीकटी मिंटी नही हेठी चाहीदी।

खद पृषंधन :- नाईट्रोजन 5-6 किलो पृथी ऐकड़

फासफोरस 10-15 किलो पृथी ऐकड़

बीज औपचार :- 1.5-2 ग्राम बाविस्टिन (कारबैडाजिम 50% WP) पृथी किले बीज।  
नदीनं की रोकथाम :- ऐमेनेथापायर 10% SL @ 40-50 ग्राम किरिआसुल तंत पृथी हेक्टेअर (बिजाई ते 15-20 दिन बाअद) सपरे करे।

कीते अते रोग पृषंधन :-

सिउक :- बिजाई ते पहिलां कलेरपाईरीडेस 20% एीसी @ 2-3 मिलीलीटर पृथी लीटर पाणी विंच मिला के सपरे करे।

चूसक वाले कीते (ऐफिड/जैसिड) :- 2.5-3 मि.ली. रोगर पृथी लीटर पाणीरेत ते सपरे करे।

सिंचाई: 1-2 सिंचाईआं (सिंचाई वाले खेततं विंच), गैर-सिंचाई वाले खेततं विंच मीठ ते निरभर।

कटाई :- पंका 60 ते 70 दिनं विंच हुंदा है। 85% फलीआं पंका ते कटाई सुतु करे। कटी हेडी फसल तूं कुष दिनं लई खेत विंच सुंकल लई डंड दिओ।

सावधानी :- औपरेकत सुझाए गडे तरीके कंधी दे खेज केदरं ते कीते गडे पठीखतं ते अषारत हन अते सषान अते वातावरत दे आषार ते वंध-वंध हे सकदे हन। चंठी फसल पुपत करन लई मारग दरसुन लई, आपडे नजदीकी राज खेतीबाडी जूनीवरसिटी/खेतीबाडी विगिआन केदर/नेडले खेतीबाडी अपिकारी नाल सलाह करे।

निरमाता अते मारकित :

## जै संकर सीड्स प्रा. लि.

E-176, फेज-1st, RIICO इंडस्टरीअल ऐरीआ  
सुी गंगानगर - 335002, राजसषान